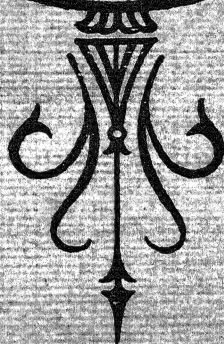


# सौन्दर्योपासक



# सौन्दर्योपासक ।

HINDI

( मालती )

Lib

एक गद्य काव्य ।

बाबू ब्रजनन्दन सहाय ( ब्रजवल्लभ )

वकील और मंत्री नागरीप्रचारिणी सभा, आगरा, प्रणीत ।

—::\*::—

“ कहीं नौवेल किसी ने मछली लिखी क्रयामत की ।

क्या दिलचस्प निकली दास्तां मेरी मुसीबत की ॥”

म. कु. बाबू रामरणविजयसिंह द्वारा प्रकाशित ।



पटना—“ खज्जविलास ” प्रेस, बांकीपुर ।

बाबू रामप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित ।

१९१६.